भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 757

दिनांक 29 नवम्बर, 2024 को उत्तर के लिए

एकीकृत बाल विकास सेवाएं

757. श्री सी. एन. अन्नादुरई:

श्री नवसकनी के.:

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) अन्य स्वास्थ्य और पोषण योजनाओं, जैसे मध्याह्न भोजन योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के साथ किस प्रकार एकीकृत होती हैं;

(ख) विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले और कम आय वाले समुदायों के बीच सामुदायिक जागरुकता बढ़ाने और आईसीडीएस में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ग) तमिलनाडु राज्य में पिछले तीन वर्षों के दौरान आईसीडीएस योजना से कितने बच्चे लाभान्वित हुए हैं;

(घ) उक्त कार्यक्रम के कार्यान्वयन में शामिल गैर-सरकारी संगठनों की तमिलनाडु सहित राज्य-वार संख्या कितनी है; और

(ड.) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान इस योजना के लिए केंद्र सरकार द्वारा कितनी धनराशि जारी की गई है?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री

(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) इस योजना के प्रभावी कार्यान्वयन तथा अंतिम लाभार्थियों तक बेहतर पोषण वितरण के उद्देश्य से 15वें वित्त आयोग में 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान

कराने वाली माताओं तथा किशोरियों के लिए पोषण सहायता, प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षा [3-6 वर्ष] और आंगनवाड़ी अवसंरचना सहित आधुनिक, उन्नत सक्षम आंगनवाड़ी घटकों को व्यापक मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के अंतर्गत पुनर्गठित किया गया है।

इस योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को आंगनवाड़ी केन्द्रों के मंच के माध्यम से निम्नलिखित छह सेवाएं प्रदान की जाती हैं:

i. पूरक पोषण (एसएनपी)
ii. प्री-स्कूल गैर-औपचारिक शिक्षा,
iii. पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा,
iv. टीकाकरण
v. स्वास्थ्य जांच, और
vi. रेफरल सेवाएं

छह सेवाओं में से तीन, अर्थात् टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाएं स्वास्थ्य से संबंधित हैं और एनएचएम तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना के माध्यम से प्रदान की जाती हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत, बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के साथ ईसीसीई का पूर्ण अभिसरण है।

(ख) मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत शुरू किए गए प्रमुख कार्यकलापों में से एक कार्यकलाप सामुदायिक संघटन और जागरूकता समर्थन है जो पोषण संबंधी पहलुओं पर लोगों को शिक्षित करने के लिए जन आंदोलन बन गया है। राज्य और संघ राज्य क्षेत्र क्रमशः सितंबर और मार्च-अप्रैल के महीनों में मनाए जाने वाले पोषण माह और पोषण पखवाड़ा के दौरान सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों के तहत नियमित रूप से संवेदीकरण गतिविधियां संचालित और रिपोर्टिंग कर रहे हैं। समुदाय आधारित कार्यक्रमों (सीबीई) ने पोषण सम्बन्धी पद्धतियां को बदलने में एक महत्वपूर्ण कार्यनीति के रूप में कार्य किया है और सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को हर महीने समुदाय आधारित दो कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

(ग) तमिलनाडु राज्य में पिछले तीन वर्षों के दौरान मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 से लाभान्वित बच्चों की संख्या इस प्रकार है:

क्र.सं.	**वित्तीय वर्ष**	**योजना के तहत बच्चों की संख्या (6 महीने से 6 वर्ष)**
1.	2021-22	29,44,855
2.	2022-23	31,20,329
3.	2023-24	32,77,415

(घ) मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत देश भर में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों से संबंधित सूचना केन्द्रीय स्तर पर नहीं रखी जाती है

(ङ) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान इस योजना के लिए केन्द्र सरकार द्वारा जारी निधियों का ब्यौरा इस प्रकार है

क्र. सं.	**वित्तीय वर्ष**	**मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत जारी निधि (रुपये करोड़ में)**
1.	2021-22	18368.01
2.	2022-23	19849.82
3.	2023-24	21741.17
4.	2024-25*	12027.62

* (20.11.2024 तक)

****